

शिक्षा की गुणवत्ता पर मिलकर काम करने पर बल

हरियाणा केंद्रीय विवि में शिक्षा की गुणवत्ता, अनुसंधान और हरियाणा की सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण के लिए समागम

अमर उजाला व्यूरो
महेद्वयगढ़।

शिक्षा की गुणवत्ता, अनुसंधान की उपलब्धियां और हरियाणा की सांख्यिकीय धरोहर के मरम्मत के लिए शनिवार 14 अक्टूबर को राजा के विभिन्न विद्यालयों का एक समापन हरियाणा केंद्रीय विद्यालय में आयोजित किया गया। कुलतांत्रियों, अस्सी कुहाड़ ने समापन में सम्भाल लिया हुए करीब 18 विद्यालयों के छात्रों तथा उनके प्रतिनिधियों के समस्त कहा कि अब सभी आपसे कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता के लिए मिलकर काम किया जाए। आयोजन ने इस समापन को इस दिशा में बदल दिया एक अद्भुत कटम बताया और कहा कि जल्द ही आपसी शैक्षणिक साझादारों के लिए विद्यालयों को एक पुनर्जन एक पॉलट बनवा किया जाएगा।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय के पंडित मदन मोहन मालीवीय नेशनल मिशन आँन टीचर्स एंड टीचिंग योजना के अंतर्गत हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की



ओं मेरी शैक्षणिक खंड । मेरी आयोजित इस समाप्ति में राज्य के शिक्षा मंत्री प्रो. रमेश्वरलाल शर्मा के प्रतिनिधित्व के तौर पर उपचतुर्वत रही। कार्यक्रम में विशिष्ट अधिवेश के तौर पर हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसामों के कृतित्व प्रो. केपी मिंड शामिल हुए। तो, गरिमा मित्तल की कामना उनके लिए यह बहुत उत्तम अनुभव है कि विभिन्न

प्रशान्तिक वाक्यों में इस राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतीयों व उनके प्रतिनिधियों के साथ संबंध का यह अवलोकन मिला। उनकों इसके लिए प्रो. अमरी कुहड़ी का धन्यवाद करते हुए कहा कि उनकी चाह है कि विश्वविद्यालय अपने धन्य प्रयास के माध्यम से यशस्वी के स्तर को बढ़ाव देना वाले को माथ-मायथा के स्तर परिषरण और बेटी बचाओं के बढ़ा पढ़ावों की

दिशा में भी अपने संस्थानों से सकारात्मक प्रयासों को महत्व दे।

कुहान ने कहा कि यह पहला ऐसा मौका ही जब तीव्रताएँ के विभिन्न परिवर्तनालय में इस तरह से विभिन्न विश्वविद्यालयों को एक और जट कर केरल शिक्षा अनुसंधान व संस्कृति के संस्थानों को लेकर चर्चा हो रही है। इनमें कठारा प्रयोग कर दी गयी थीं और जल्द ही विभिन्न विश्वविद्यालयों का एक ऐसा योगान तैयार होगा जहां वह एक टूट-से-मिलतेरी कर उत्तर शिक्षा करने वाला बनाना के लिए एप्स्टन कर रायगढ़। कार्यक्रम में विशिष्ट अंतिम गों को पीपी भिंग ने कहा कि अपनी मार्जिनों का यह कदम अनेक वाली समय में एक महत्वपूर्ण कटम सावित करेगा। योगान में प्रो. प्रकाश, कुलपति एमआरएम विश्वविद्यालय, सोनपुर, प्रौ. एचएल वर्मा, कुलपति, जगन्नाथ परिवर्तनालय, बहादुरगढ़, डॉ. असोक दिवारकर, कल्पना, स्टारएक्स परिवर्तनालय, मानसर, प्रौ. विजय कुमार कायर, चौधरी लेलिलाल विश्वविद्यालय, सिरमिस, प्रौ. वारासंगमा मौर्छा, कुलपति, ओमकाश जिंदल गोवालत प्रतिनिधि सामिल हुए। इनमें डॉ. आर. नरसिंहमण, नानकप्रीत विश्वविद्यालय, गुरुगांग, प्रौ. पीमी, जुनेजा, वाला मनसनाथ विश्वविद्यालय, रोहतक, प्रौ. शशि कुमार शर्मा, नेशनल ब्रेंड रिसर्च मंटर, मानसिंह गोप्ता, प्रौ. एम. के. गुरुदत्त, मध्यर्वश दिवारकर विश्वविद्यालय, रोहतक, प्रौ. अशुद्ध प्रताप उत्तरायां, निफस्टम, कुंडली के नाम शामिल हुए। कार्यक्रम के द्वारा विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतियों व प्रतिनिधियों ने बड़ी उत्सुकता सहित विभिन्न विश्वविद्यालयों को जानकारी दी और मतभाव के आगे बढ़ने पर समर्पित जताई। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय के रंगजट्टों राम गोप्ता ने ध्यान दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के अधिकारियों गों, ए.ज. वर्मा, डात्रा विश्वविद्यालय अधिकारी गों, डॉ. वीर मिंग, स्पेशली दायानंद विश्वविद्यालय की पीठ के चौरां प्रोफेसर राजेन्द्र सिंह, प्रोफेक्टर प्रौ. मनोज कुमार, प्रौ. ललित कियरा, डॉ. मारिका शर्मा और विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष शामिल हुए।

विश्वविद्यालय, संगीतके कुलपर्ति महारथ विभिन्न विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधि शामिल हैं। इनमें डॉ. आर. नरसिंहमण्ण, नाथार्चना विश्वविद्यालय, गुजरात, प्रो. पी.वी. जेवडा, बाबा महानाथ विश्वविद्यालय, रोहतक, प्रो. शिव कुमार शर्मा, नेशनल बैंब रिसेप्शनरी, मुमण्णपुर, प्रो. एम. के. गुबड़, महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय रोहतक, प्रो. अशुतोष उपाध्याय, निष्पत्ति, कुटुंबी के नाम सामिल हैं। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपर्तियों व प्रतिनिधियों ने अपने वहाँ उपलब्ध संवादाओं व समझौतों को जाकरते ही और सहयोग के आगे बढ़ने पर महमति जताया। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय के जनसंघरात्र राम देव धनेश्वर विश्वविद्यालय के शैक्षणिक मामतों के अधिकारात्रा प्रो. ए.जे. वर्मा, छात्रवाचन अधिकारात्रा डॉ. वी. शर्मा, स्वामी दयानन्द मस्तकी पॉटर के चेहरे प्रोफेसर रमेश्वर मिंह, प्रोवेटर प्रो. मत्तारु कुमार, प्रो. नवल किशोर, डॉ. सारिका कार्यक्रम कार्यालय और विभिन्न विभागों के विभागाधारी शामिल हैं।

हकेंविमेंसमागम; शैक्षणिक साझेदारी के
लिए एकजुट हुए प्रदेश के विश्वविद्यालय

भास्कर न्यूज | महेदगढ

शिक्षा की गुणवत्ता, अनुसंधान की उत्पेक्षिता और हरियाणा की सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण के लिए शनिवार की हरियाणा राज्य के विश्वविद्यालयों पर एक समापन हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया। इस अवसर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुलाहड़ ने इस समापन में सम्मिलित हुए करीब 18 विश्वविद्यालयों के कुलपतियों एवं उनके प्रतिनिधियों के समान्वय कहा कि विश्वविद्यालयों के गुणवत्ता के लिए मिलकर काम किया जाए।

'कृत्तिपति' ने इस समागम को इस दिशा में बढ़ने वाला एक अहम कदम बताया और कहा कि जल्द ही आपसी शैक्षणिक साझेदारी के लिए तिथि विश्वविद्यालयों को एकजुट कर एक पॉर्टेल तैयार कर जाएगा। मानव संसाधन विकास मंत्रालय के पंडित मनन मोहन मालवीय नेशनल मिशन 10 और टीचर्स एंड टीचिंग योजना के अंतर्गत हरियाणा एवं बिहार विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आवास एवं प्रशिक्षण के द्वारा शैक्षणिक खंड 1 एवं योजनिक इस समागम में राज्य के शिक्षा बंडी प्रो. राम विकास शर्मा के प्रतिनिधि के तौर पर जिला उपायुक्त डॉ. गरिया मितल उपस्थित



इस कार्यक्रम को आगे तक ले जाएंगे : प्रो. कुहाड़

समाजम में पो. आरती कुलाह के कहा कि यह पहाना ऐसा गोका है जब हरियाणा के किसी विश्वविद्यालय में इस इच्छा से विश्वविद्यालयों को पक्कड़ कर बदल दिया, अबुरांगला व संस्कृत के संस्कण को लेकर चर्चा ही होती है। उन्होंने कहा इस प्रयास को हम आगे ले जाएंगे और जल्द ही विश्वविद्यालयों का एक ऐसा पर्टिल तैयार होगा जहां वह पक्क-दूसरे से साझेदारी कर उच्च शिक्षा को बढ़ाव देने के लिए प्रयास कर पाएंगे। करियरमें विश्विष्ट आतीशी पो. कौरी रिंग ने कहा कि आपराई साइंटेस का यह कदम आपे बारे मध्यम में एक धर्मपर्ची करना शक्ति होता है। उन्होंने कहा कि इस प्रयास के माध्यम से जहां ही स्कूल तकातीकी को मद्दत कर दें विश्वविद्यालयों के विशेष शिक्षकों के शिक्षाजित विद्युत तथा विद्युत संस्कृतीयों के लिए प्राप्त विश्वविद्यालयों की विशेष विद्यालयों के लिए जनक द्वारा

रहीं जबकि कार्यक्रम में विशिष्ट अधिक्षियों के तौर पर हरियाणा कुण्डि विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रौ. केपी सिंह शामिल हुए। डॉ. विधायिता प्रसाद ने कहा कि उनके लिए इस बड़क उपमा अनुबंध है कि विशिष्ट प्रशासनिक कार्यों से इतर राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतियों व उनके प्राधिकारियों के साथ संवाद का आवास मिला। उन्हें इसके लिए प्रौ. आरसी कुलपति का धन्यवाचन हुआ कहा कि उनकी चाह है कि विश्वविद्यालय

ये विविह हुए शामिल; समाजमें मो. पी. प्रकल्प, कुलपती परसायनमें विवि सोनीपत्त, प्रो. परवर्सन दर्शन कुलपती जगालाल्य विवि बहादुर्गुणदेव, डॉ. अशोक दिव्यकर कुलपती टटर एस्ट विवि नगरेन्द्र, प्रो. विजय कुमार कराता, चौधरी देवीलाल विवि रित्यासन, प्रो. विकुमार रामी, कलाकार गुरु लक्ष्मीपति ओमकारकुमार विविल लक्ष्मीपति के कुलपती लक्ष्मीपति विविल विविल के प्रतीनिधि शमिल हुए। इनमें डॉ. आर. नरसिंहनाथ, नवकीर्ति विवि, गुरुजीवं पी. पी. शी. जुलेन, बाबा मस्त नवा विवि, रोहिक, प्रो. विकुमार रामी, लेखक लेव रित्यासेन टटर मनोरम, प्रो. एस्ट गणेश महर्ष दयालम विविल गोहरक घो. अल्लुकुमार उपायाय विविल कुलपती के विविल हैं। कार्यक्रम के दौरान विविल विवि के कुलपतीयों ने प्रतीनिधियों ने कार्यक्रम को आगे बढ़ाव पर समर्पित जारी। इस दौरान रीडिंग्स्ट्राउट रामदत्त, अधिकारी प्रो. एस्ट रामी, अप्रकाशन अधिकारी डॉ. शी. विंसें, रामी विविल टटरस्ट्रीटी पीट के घरेप्रोफेसर रामदत्त रामदत्त, प्रोफेट प्रो. रामी कराता, प्रो. विविल किशोर, डॉ. नानिताल रामी त विविल घोरे हुए।

अपने इस प्रयास के माध्यम से शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने के साथ-साथ स्वच्छ भारत मिशन और बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की दिशा में भी अपने संस्थानों से सकारात्मक प्रयासों को मन्तव्य करें।

शैक्षणिक साझेदारी के लिए एकजुट हुए हरियाणा के विश्वविद्यालय

जागरण संवाददाता, महेंद्रगढ़ : शिक्षा की गुणवत्ता, अनुसंधान की उपरोक्ता और हरियाणा की सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण के लिए शनिवार को राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों का एक समागम हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (बोर्ड) में हुआ। हक्केवि के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने समागम में आए 18 विश्वविद्यालयों के कुलपतियों एवं उनके प्रतिनिधियों के समक्ष कहा कि अब समय आ गया है कि शिक्षा की गुणवत्ता के लिए मिलकर काम किया जाए। जल्द ही आपसी शैक्षणिक साझेदारी के लिए विभिन्न विश्वविद्यालयों को एकजुट कर एक पोर्टल तैयार किया जाएगा।

मनव संसाधन विकास मंत्रालय के पंडित मदन मोहन भालवीय नेशनल मिशन और टीचर्स पंड टीचिंग योजना के अंतर्गत हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रक्रिया द्वारा आयोजित इस समागम में शिक्षा मंत्री प्रो. राम बिलास शर्मा के प्रतिनिधि के तौर



कार्यक्रम में मंचासीन उपायुक्त गरिमा मितल

पर जिला उपायुक्त डॉ. गरिमा मितल उपस्थित रही। विशिष्ट अतिथि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, दिसर के कुलपति प्रयासों को महत्व दें। प्रो. आरसी कुहाड़ ने कहा कि फहली बार हरियाणा के विभिन्न विश्वविद्यालयों नो एकजुट होकर बेहतर शिक्षा, अनुसंधान व संरकृति के संरक्षण को लेकर चर्चा हो रही है। इस प्रयास को

हम आगे ले जाएंगे और जल्द ही विभिन्न विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधि शामिल हुए। इनमें डॉ. आर नरसिंहमन, प्रो. पंखी जुनेजा, बाबू महतनाथ विश्वविद्यालय, रोहतक, प्रो. शिवकुमार शर्मा, नेशनल ब्रेन रिसर्च सेंटर रामनसर, प्रो. एसके. गवखड़, मदवि रोहतक, प्रो. आशुतोष उपाध्याय, निपटम कुडली के नाम शामिल हैं।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतियों व प्रतिनिधियों ने उनके पास उत्तरब्द्य सुविधाओं व संसाधनों की जानकारी दी और सहयोग के आगे बढ़ने पर सहमति जताई। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार के कुलपति प्रो. पी. प्रकाश, प्रो. एचपील वर्मा, कुलपति जगन्नाथ विश्वविद्यालय वर्षा, डॉ. अशोक दिवाकर, कुलपति स्टारएक्स विश्वविद्यालय मानेसर, प्रो. विजय कुमार कायत चौधरी देवनालत विश्वविद्यालय सिरसा, प्रो. वाईएसआर गूर्जी, कुलपति ओपीजिंड